GUATA

नावर जिल्ला एम सक्तित् चलसम्बद्धाः समान्यः ।

\$10H 21;

महानिदेशक. विकित्स सा.४ व एवं परिवार कल्याण, संसारायल दें ५,दूर।

विभिन्तता अनुभाग-६ विश्वता किनाक | द्विसातृत दिनाक | द्विसात्व दि

जार्युक्त विषय है आपको पन्न 5प/3/43 /2005-58/17231 विस्ताल 08.08.2005 को सांदर्भ में साम सामानावेश साट -1285/XXVIII(3)-2004- (4/2005 विस्ताल 30.08.2008 को इसम में मुझे यह नंतरन का निर्देश हूँ है कि औ राज्यपाल नानेवर होता वित्तीय वर्ष 2005-08 में सामुदायिक उत्तरण वस्त्र विस्ताल देश का निर्देश हूँ है कि औ राज्यपाल नानेवर होता वित्तीय वर्ष 2005-08 में सामुदायिक उत्तरण वस्त्र विस्ताल देश का निर्देश होता के स्वार्थ के निर्देश हेता सामान करते हैं कि साम हेता सामान के 55.67.000-00 (स्वट व्यवस्त्र का सामान करते हैं साम सामान कर विस्तीय उत्तर्भ का सामान करते हैं सामान करते हैं ।

2— एकपुरत पाविदान। को कार्य करने से पूर्व 1/8एत प्रस्ताद बनाकर राक्षण प्रविकारी से स्वीकृति पादा कर छ।

3 वर्गरी करात सन्ध लोठ निठ विभाग के उनो गृह विशिष्टियों के अनुस्त्र यन्त्री क्याये तथा कार्य की मुणनाता पर विश्वप वल विशा कार्ये। कार्ये को मुणवस्ता का पूर्ण उत्तरवायिक निर्माण एकेन्सी का अभा।

चना भन्ति तर है व आहरित की जायंनी तथा तत्वस्थात निर्माण ईकाई परियोजना प्रवन्धकः
नामक अन्तर्भक्ष भिर्माण निर्माण एक संबंध को उत्तराया करता, काथेगी । स्वीकृत बनस्ति का छपयोग प्रथमक वक्षा में इसी विजीय वर्ष के भीत्र सुनि। वहा किया जायंगा।

तः - रमेशना धानर्याण के आहरण से संबंधित कारावर संख्या एवं दिनाक की धूझना चरकाल उपलबा कराई कारायी सथा तनराशि का त्यांस विस्तीय अस्तपूरितका में सहिलकित प्राविधानों में बजट मेंनुअल तथा धारान हारा सत्तय न्यमय पर निर्मत आदेश के अनुसार किया जाना सुनिश्चित् किया जायेगा।

ः आगणन में व्यक्तिक्षित दशें का विश्लेतम विधाय के अधीकण अभियन्ता द्वारा श्वीकृत ∕ -तन्तातित दशें में घा पूरे शिल्युल ऑफ रेट ५ कीक्ल नहीं हैं अथवा बाजार भाव से भी ली गयी का की स्थानृति विश्वानुसार वादीक्षण अभियन्ता को उन्तुमोयन आवस्यक होगा।

र कार्य कराने से नृते विरद्धा आनणन≠गनवित्र गठिस कर नियमानुसार रक्षण प्राधिकारी से पाविविक रवीकृति प्राप्त करनी होती, बिना प्राविधिक रवीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

छ कार्य पर छत्मा ही व्यय किया जायेगा जित्तमा कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक तथ कदापि व किया जाया।

ए - १७० मुस्त प्राविधन को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आयणन पठित कर नियमानुसार सक्षम प्राविकाय संस्कृति प्राप्त करना आवश्यक होता।

10 - नेतर कराने से भूवें शमरत जीपवासिकताई तबनीकी तृष्टि के नध्य नजर एखते एवं लोक निमाण निमान द्वारण सम्बद्धा भर्दा श्वीराधिका च अनुरूप की कार्य का राज्यां के कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें । 879

ं वनमें करने ते पूर स्थल का मली भीटि भिरोदाण उच्च अधिकारिका एवं मुनरवित्ता के साथ -11-12म नरा लग 1-रीका विके पश्चात् आवस्कानानुसार निर्देशों एका निरीक्षण विकाणी से अभुस्व नर्भ 1-144 जाने।

्र - जागणन को विद्यु करा छेलु को सहिर है। देवकूत की मधी है। वहाँ वह पर काम विका काए एक गत का पुरारी भद्र ने काद कातापि च कि.व. दाए। उन्माण श्रामकी को प्रवीस में लाते से पूर्व किसी प्रयामक्षाला में पड़ेकण करा की आब्द कम्युक्त वादी जाने वाली खानदी को प्रवीस के लाता जाए।

13- रवीक्त भन्दित की विस्तीय एवं भौतिय जनते आख्या प्रत्येक वजा में माह की 57 लागीख एक निर्धारित प्रास्त्र पर शासन को सपलक्ष क्लाइ क्लिंगी। यह भी रवप्ट किया जाएगा कि इस भग्नामां के निर्धाण कर बहेन एक क्षाय पूर्णल्या किया किया गया है.

क्ष । निर्माण को सन्तय धाँचे किसी। कारणवंश नाच परिकरणमाओं / विशेष्ट्यों ने बबलाव आता है सी

र अ दशा में शासन की पूर्व स्वीकृति आवश्वक की है।

16- निर्माण कार्य से पूर्व नीत के मू-मान के राजना आदश्यक है, भीच के मू-मान की भएना के नावार पर है। भवन निर्माण किया वाल :

ार अन्तरादि। का आहरण ∕ त्यय आराधकर ्यार प्रवे मितव्यवसा को स्थान में रखकर किया आए।

17 - छवत स्पयः वर्ष २००५-७६ के आय-व्ययक में अनुपान संख्या-12 के लेखाशीर्थक तराक-विवित्तसा तथा खोच स्वास्थ्य पर मृजीगट परिक्यय-आयोजनागत-०२- सामीण स्वास्थ्य सेयार्थे, १०व सम्पूरायिक स्वास्थ्य वर्त्य, ०३-सामुदायि । स्वास्थ्य केन्द्रों को स्थापना, ०५०२-सामुदायिक त्वारक्य केन्द्रों का दिसंग्य (विस्तार अस), २४-५ ६१ निमोण दश्ये के माम स्वास्त जायेगा।

मार्थ यह आवश वेहरा विभाग के अशात ६०-४८८ / विदा अनुसास-2 / 2054 विनोत्त 10.x.65 म प्राप्त सहमति से नारी किये जा रहे हैं ।

> (afert सिंह) चर्म संधिव

410-285/XXVIII(.)-2634-61/2605 Rreft via

पतिस्थित निम्मान्यक्ति को सूचनाथ एवं आन्त्रथक कार्यवाही छेटु प्रेपित :--

- सम्बद्धित्वकार, उद्देशराज्ञल, भाजार, देहरादृत्त ।
- मादराक, वर्तमातार, कलसंबल, देहरातुः ।
- वीटपर कोमाधिकारी, देहरादून ।
- र जिलाविकारी अस्तरकारी।
- पृथ्य विकित्साविकारी, उत्तरकाशी ।
- प्रियानका प्रकलक, उठाठ राजकीय विमान विचन व्यादावत ;
- र जिल्हा सार्वा संव मुख्य मुख्यनंती ।
- 3 Mar J-1977 2/ -1
- वंडाट राजकीपाय, विद्योजन व संशोधन विद्याल, संविवाल, देहरादून !

10-- माड फाईल |

आसा उ

(असर (संग्र)